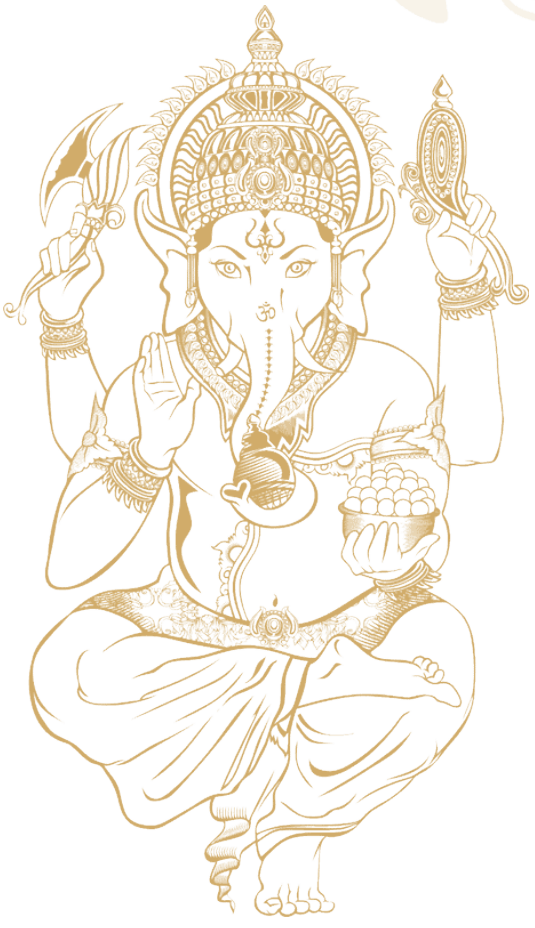

Pulkit

Priya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119243104

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/01/1999	जन्म तिथि	27-28/09/2000
बुधवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 15:45:00	जन्म समय	01:27:00 घंटे
घटी 21:13:46	जन्म समय(घटी)	48:07:03 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:29	सूर्योदय	06:12:10
17:43:16	सूर्यास्त	18:11:31
23:50:27	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:46

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 8वर्ष 7मा 25दि	03:30:00	मिथु	लग्न	कर्क	08:28:59	चन्द्र 9वर्ष 1मा 12दि
केतु	28:55:40	धनु	सूर्य	कन्या	11:08:27	राहु
08/09/2024	10:35:41	वृश्चि	चंद्र	कन्या	11:10:39	09/11/2016
09/09/2031	00:28:47	तुला	मंगल	सिंह	12:56:55	10/11/2034
केतु 04/02/2025	15:39:07	धनु	बुध	तुला	05:13:28	राहु 23/07/2019
शुक्र 06/04/2026	00:05:21	मीन	गुरु	वृष	17:22:01	गुरु 16/12/2021
सूर्य 12/08/2026	17:06:26	मक	शुक्र	तुला	10:01:59	शनि 22/10/2024
चन्द्र 13/03/2027	03:07:42	मेष	शनि व	वृष	06:54:18	बुध 11/05/2027
मंगल 09/08/2027	28:40:41	कर्क व	राहु व	मिथु	27:53:42	केतु 29/05/2028
राहु 27/08/2028	28:40:41	मक व	केतु व	धनु	27:53:42	शुक्र 30/05/2031
गुरु 03/08/2029	17:47:21	मक	हर्ष व	मक	23:22:04	सूर्य 22/04/2032
शनि 11/09/2030	07:40:35	मक	नेप व	मक	10:00:49	चन्द्र 22/10/2033
बुध 09/09/2031	15:40:55	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:40:54	मंगल 10/11/2034

लग्न-चलित

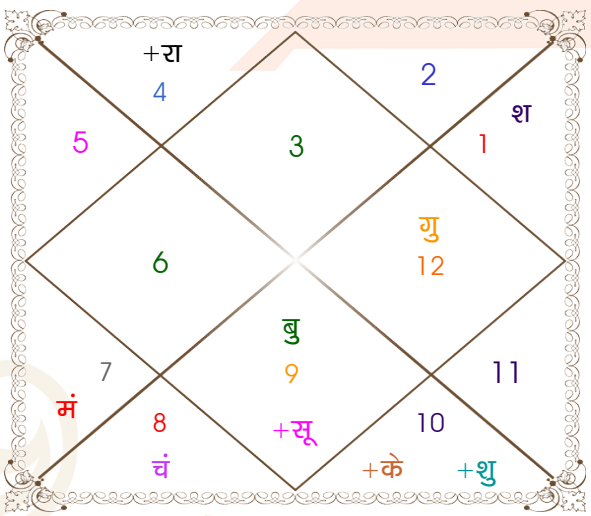

लग्न-चलित

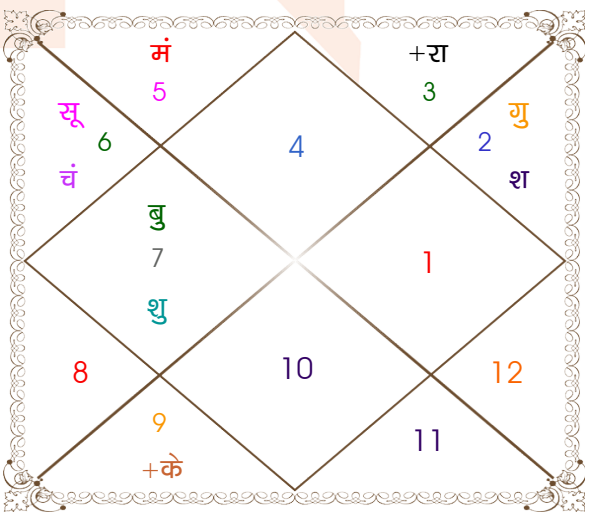

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

च्नसापज का वर्ग सर्प है तथा च्तपलं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है। अष्टकूट मिलान के अनुसार च्नसापज और च्तपलं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

च्नसापज मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

च्तपलं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

च्नसापज तथा च्तपलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।